B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – School Mangagement and Leadership
Course – 11(E) /Unit – 1(a)
Topic – **विद्यालय-संगठन के उद्देश्य**
(Aims of School-Organisation)

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

Lecture No. - 78

भूमिका
(Introduction)

शैक्षिक उद्देश्यों के अनुसार ही किसी देश में विद्यालय -संगठन किया जाता है। एकाधिकारात्मक-प्रधान राष्ट्रों में व्यक्ति का अपने-आप में कोई विशेष महत्व नहीं होता , राष्ट्र का हित सर्वोपरि समझा जाता है एवं व्यक्ति का जीवन उसी दृष्टि से नियंत्रित होता है।

दूसरी ओर स्वतंत्र एवं जनतांत्रिक राष्ट्रों में व्यक्ति को महत्व प्राप्त होता है। ऐसे राष्ट्र में व्यक्तिगत हित एवं सामाजिक हित में संतुलन होता है। इन देशों की विभिन्नता इनके शैक्षिक उद्देश्यों तथा विद्यालय-संगठन को प्रभावित करती है। विद्यालय का संगठन इस प्रकार किया जाता है कि विद्यालय का आंतरिक ढाँचा सामुदायिक केन्द्र के समान हो। यह समाज का लघु रूप होता है। विद्यालय संगठन में छात्रों का सहयोग लिया जाता है। आवश्यकतानुसार समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। विद्यालय के रचनात्मक कार्यक्रमों में समाज-सेव, राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रीय सद्भावना, अंतर्राष्ट्रीय चेतना आदि तत्वों को स्थान दिया जाता है।

विद्यालय-संगठन के उद्देश्य
(Aims of School-Organisation)

उपरोक्त दृष्टिकोण से हमारे स्वतंत्र एवं प्रजातांत्रिक देश भारत में विद्यालय संगठन के निम्नांकित उद्देश्य हैं -

1. प्रजातांत्रिक समाज के लिए बलिदान तथा प्रेम की भावना उत्पन्न करना।

2. बिना भेद-भाव के सबको शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना।
3. छात्रों को स्वशासन की शिक्षा देना।
4. प्रजातंत्र की सफलता के लिए योग्य नागरिक तैयार करना।
5. छात्रों में राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय एकता, तथा धर्म-निरपेक्षता की भावना एवं अंतर्राष्ट्रीय चेतना उत्पन्न करना।
6. छात्रों को उनके बोद्धिक, शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा सामाजिक विकास का अवसर प्रदान कराना।
7. शिक्षा संबंधी नीतियों का निर्धारण करना। शिक्षा -योजनाएँ बनाना एवं उन्हें क्रियान्वित करना।
8. शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों में समन्वय एवं समायोजन स्थापित करना।
9. शिक्षण संस्थाओं का निरीक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करना और आवश्यक प्रगति हेतु निर्देश देना।
10. समाज के नागरिकों, छात्रों एवं व्यवस्थापकों को समय -समय पर शिक्षा की नीतियों, योजनाओं और प्रगति से अवगत कराते रहना।
11. शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर शैक्षणिक कार्यक्रमों, क्रियाकलापों तथा गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन करना।

To be Continued....